

25/5/16

नगर

पत्रावली कागज लोक कडामल के  
 पंदाहुवा वकुमाड का के कि 330/  
 याथी नंगुड पांवाह दे 000  
 2065/538, 2066/634, 2067/814  
 की मुद्रि के पदक मूद्रि होनी के  
 अमाल के डिजागन कीने के लख  
 अडाथी का व 2 को बांधुपमा वरि  
 छिउ खान के पाकड कीने हेर  
 विवेक किता है। अपने कथन  
 के लपथन के अमाकडी मवल  
 2064/87 अपने पिता लीलाड  
 एड दादी जीवनी के गार्ड की  
 परी की है बाथ ही कांठ 1948,  
 अमाकडी मवल 2011, 2018, 2020  
 की कोरी जाल परी की है। ~~मिथ~~  
 छिपे प्रथम हुजमा प्रथम मूद्रि  
 पदक मूद्रि बाकिल लानी है।  
 अडाथी गण की कोर जकास परी  
 व ही किमी जान के अकाकडी  
 का की गई, अर. उपयुक्त लखी  
 के अमाल के दि. 19.11.14 को माल  
 अमलीप निधि धासा के बांधुपमा

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

A<sup>3</sup>/<sub>4</sub>

नम्बर  
अहकाम  
की ता

वाड कंपनी काले इष्ट ग्राहक (1994)  
2066/634.9 2065/538,  
2067/814.9 आदी वाड कंपनी  
काले एवढे हुडपाइड डिपॉजिट  
ही पत्रावली कंपनी मुद्दा होव  
दारीवम दफतर ही

आवेदन बाबत अस्थायी निवेद्या  
आवेदन अधीन धारा 212 राज्ठ कास्तकारी

प्राथी जिन आवेदन भेज करता है -

यह है कि, बादी/प्राथी ने उपरोक्त शीर्षक का एक वाड  
संख्या प्रस्तुत कर दिया है, जो ठीस आचार्य प  
मिलने की पूरी पूरी उम्मीद है।

यह है कि, प्राथी व अप्राथी संख्या एक से ठीस एक ही वा  
जो एक सांबलारामजी के कारिखान है। जिनकी बंसा ली

दुधारासमजी (पिता) पुत्र सीताराम

सांबलारामजी (पिता)

सीताराम

धमश्याम